Jh fo".k| th dh vkjrh

ऊँ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे
भक्त जनों के संकट, क्षण में दुर करे।। ऊँ जय ....
जो ध्यावे फल पावे, दुख विनसे मन का।
सुख सम्पति घर आवे, कश्ट मिटे तन का।। ऊँ जय ....
मात पिता तुम मेरे, शरण गहूं किसकी।
तुम बिन और न दूजा, आशा करुँ जिसकी।। ऊँ जय ....
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी।
पारब्रह्म परमेश्वर, तुम सबके स्वामी।। ऊँ जय ....
तुम करुणा के सागर, तुम पालन कर्ता।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता।। ऊँ जय ....
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूं दयामय , तुमको मैं कुमति।। ऊँ जय .....
दीनबंधु दुःख हर्ता, ठाकुर तुम मेरे।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे।। ऊँ जय ....
विशय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ, संतन की सेवा।। ऊँ जय ....

www.Totalbhakti.com